

कुंदजेहन वि. (तत्.+फा.) मंदबुद्धि, मोटी अक्ल वाला।

कुंदन पुं. (देश.) बहुत अच्छे और साफ सोने का पतला पत्तर, जिसे लगा कर जाड़िए नगीने जड़ते हैं, स्वच्छ सुवर्ण, बढिया सोना मुहा. कुंदन सा दमकना- स्वच्छ सोने सा चमकना; कुंदन हो जाना- खूब स्वच्छ और निर्मल हो जाना, निखर जाना वि. कुंदन के समान चोखा, स्वच्छ, नीरोग।

कुंदलता पुं. (तत्.) 1. छब्बीस अक्षरों की एक वर्णवृत्ति जिसे 'सुख' भी कहते हैं 2. माधवी लता।

कुंदा पुं. (फा.कुंद.) 1. लकड़ी का बहुत बड़ा मोटा और बिना चीरा टुकड़ा जिस पर बढई गढ़ते हैं, हाना, निहठा 2. बंदूक में वह पिछला लकड़ी का तिकोना भाग जिसमें घोड़ा और नली आदि जड़े रहते हैं और बंदूक चलाने वाले की ओर रहता है मुहा. कुंदा चढ़ाना- बंदूक की नली में लकड़ी जड़ना 3. वह लकड़ी जिसमें अपराधी के पैर ठोके जाते हैं, काठ 4. मूठा, बैत, दस्ता 5. लकड़ी की बड़ी मोंगरी जिससे कपड़ों की कुंदी की जाती है।

कुंदी स्त्री. (तद्.) 1. धुले या रंगे कपड़ों की तह करके उनकी सिकुड़न दूर करने तथा तह जमाने के लिए उसे लकड़ी की मोंगरी से कूटने की क्रिया, इस्तरी करने की एक प्राचीन विधि 2. खूब मारना, ठोंकना, पीटना।

कुंदीगर पुं. (तद्.) कपड़ों की कुंदी करनेवाला।

कुंदू पुं. (तत्.) चूहा।

कुंभी वि. (तत्.) 1. कायफल 2. एक वनस्पति जो जलाशयों में होती है जलकुंभी 3. कुंभ नामक पेड़ 4. एक प्रकार का वृक्ष।

कुंभ पुं. (तत्.) 1. मिट्टी का घड़ा, घट कलश 2. हाथी के सिर के दोनों ओर उभरे हुए भाग 3. एक राशि जो दसवीं मानी जाती है 4. योगशास्त्र के अनुसार प्राणायाम के तीन भागों में से एक-कुंभक 5. एक पर्व जो 12 वर्गों में एक बार लगता है जब बृहस्पति कुंभ राशि में होता है 6. गुग्गुल 7. एक पेड़ का नाम जिसकी लकड़ी मजबूत होती है।

कुंभक पुं. (तत्.) प्राणायाम का एक भाग, जिसमें सांस लेकर वायु को शरीर के भीतर ही रोक लेते हैं।

कुंभकर्ण पुं. (तत्.) रावण का भाई जो छह महीने सोता था।

कुंभकार पुं. (तत्.) 1. एक संकर जाति 2. कुम्हार 2. मुर्गा, कुक्कुट 3. साँप 4. जंगली पक्षी।

कुंभज वि. (तत्.) 1. घड़े से उत्पन्न 2. अगस्त्य मुनि 3. वशिष्ठ 4. द्रोणाचार्य।

कुंभनदास पुं. (तत्.) ब्रज के अष्टछाप कवियों में से एक कवि। यह सखा भाव से कृष्ण की उपासना करते थे।

कुंभपंजर पुं. (तत्.) वह स्थान या आधार जो दीवार में बना हो, गवाक्ष।

कुंभशाला स्त्री. (तत्.) मिट्टी के घड़े बनाने का स्थान।

कुंभिल, कुंभिलक वि. (तत्.) 1. वह चोर जो संध लगाता हो, संधिया चोर 2. वह संतान जो अपूर्ण गर्भ में उत्पन्न हो 3. साला 4. एक प्रकार की मछली 5. साहित्यिक चोर।

कुंभी स्त्री. (तत्.) 1. छोटा घड़ा 2. कायफल का पेड़ 3. दंती का पेड़ 4. पाँडर का पेड़ 5. तरबूज 6. वंसी 7. एक पेड़ 8. एक वनस्पति जो जलाशयों में पानी के ऊपर फैलती है, जलकुंभी 9. एक नरक का नाम, कुंभीपाक, नरक 10. सलई का पेड़ 11. गनियारी या अरंडी का पेड़ 12. तल, आधार दे. कुंबी।

कुंभीपाक पुं. (तत्.) 1. पुराणानुसार एक नरक जिसमें पशुवध करनेवाले खौलते तेल में डाले जाते हैं 2. एक प्रकार का सन्निपात जिसमें नाक के रास्ते काला खून आता है और सिर घूमता है 3. हंडिया में पकाई कोई वस्तु।

कुंभीर वि. (तत्.) 1. नक्र या नाक नामक जंतु जो जल में होता है 2. एक प्रकार का छोटा कीड़ा 3. एक यक्ष।

कुंभीपुर वि. (तत्.) हस्तिनापुर, पुरानी दिल्ली।